

बिहार विधान सभा के चालू सत्र के लिये गैर सरकारी संकल्प की सूचना।

श्री राम लषण राम "रमण", सं०वि०स० से प्राप्त गै०स०सं०-30/2013 की सूचना।

“ यह सभा राज्य सरकार से अभिस्ताव करती है कि वह गढ़दे में गिरकर हुई मौत एवं आँधी में पेड़ गिरने से हुई मौत एवं क्षति को प्राकृतिक आपदा से हुई क्षति की श्रेणी में शामिल करें ”।

डॉ० (श्रीमती) रेणु कुमारी कुशवाहा, मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार का वक्तव्य:-

भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में निम्नांकित आपदायें सम्मिलित है, यथा बाढ़, सुखाड़, अग्निकांड, भूकम्प, चक्रवात, ओलावृष्टि, हिमपात, भू-स्खलन, सुनामी, बादल फटना, कीट का आक्रमण एवं शीतलहर । गढ़दे में गिरकर हुई मौत को प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है। चूँकि चक्रवात प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में सम्मिलित है, अतएव चक्रवातीय आँधी में पेड़ गिरने से हुई मौत एवं क्षति हेतु साहाय्य मानदर के अनुरूप सहायता देने का प्रावधान है।

बिहार सरकार

आपदा प्रबंधन विभाग

ज्ञापांक-04 / वि०स०गै०स०सं०-32 / 2013 / / आ०प्र० दिनांक-.....

प्रतिलिपि-अवर सचिव, बिहार विधान सभा सचिवालय को उनके ज्ञापांक 2101 दिनांक-02.03.2013 के क्रम में 03 (तीन) प्रतियों में / उप सचिव, संसदीय कार्य विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

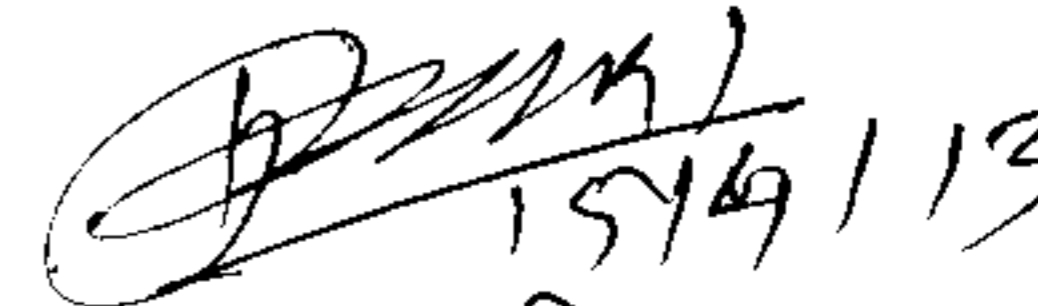
ह० / -

(सच्चिदानन्द चौधरी)

अवर सचिव

ज्ञापांक-.....1423..... / आ०प्र० पटना-15, दिनांक- 15/4/13 -

प्रतिलिपि- सुश्री कविता कुमारी, आई०टी० मैनेजर, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार, पटना को इसे विभागीय वेबसाईट पर शीघ्र अपलोड करने हेतु प्रेषित।


15/4/13
अवर सचिव